JSC-7-HI

मसीह के न्याय आसन के सामने आपको क्या प्रतिफल और न्याय मिल सकता है - प्रोग्राम 7

अनाऊंसर: वचन में विश्वासियों से कहा गया है, कि हम सबको मसीह के न्याय सिंहासन के सामने जाना होगा, लेकीन इस न्याय का उद्देश्य क्या है? क्या यीशु ने हमारे पापों के लिए पूरा दाम नही चुकाया और परमेश्वर उन्हें फिर स्मरण नही करता?

यदि ऐसा है तो फिर विश्वासियों का न्याय मसीह के द्वारा क्यों होगा? इस न्याय का उद्धार से कोई संबन्ध नही है/ उद्धार तो पूरी तरह से परमेश्वर का मुफ्त का वरदान है, जिस पल कोई मसीह में विश्वास करता है वो इसे उसी पल पाता है/

लेकिन मसीह के न्यायआसन का संबन्ध इससे है कि उसने हमें उद्धार देने के बाद हम मसीह के लिए कैसे जीए, मसीह के लिए हम ने जो भी किया उसका मुल्यांकन कर प्रतिफल दिया जाएगा/

बाइबल कहती है कि हम सबको मसीह के न्याय आसन के सामने प्रकट होना होगा, कि हरकोई जिसे जो मिलना चाहिए वो पा सके, जो उन्होंने शरीर में किया था, चाहे भला या बुरा हो/

हम समझ सकते हैं कि हम ने जो उसके लिए भला किया है उसका प्रतिफल हम पाएगे, लेकिन इसका क्या अर्थ है जब बाइबल कहती है कि हम ने जो बुरा किया है उसका भी हम प्रतिफल पाएगे? क्या अविश्वासयोग्य विश्वासी विश्वासयोग्य विश्वासी जैसे प्रतिफल नही पाएगे?

लेकिन क्या मसीह के न्याय आसन के सामने आँसू होंगे? क्या प्रतिफल, आदर और सौभाग्य खो दिए जाएंगे, जो स्वर्ग में पुरे अनंतकाल तक हमारे स्थर को निश्चित करेगा?

बाइबल से इन सवालों का जवाब देने में मदत करने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉ/ अरविन लुथजर हैं, मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर, शिकागो, इलेनॉय से, हम इस बात को देखेंगे कि जब यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने आपके जीवन का मुल्यांकन करेगा तो क्या पाएगा/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, चलिए ये सवाल पूछकर मैं आज शुरू करता हूं, इन न्याय में क्या फर्क होगा, जैसे कि बाइबल कहती है महान श्वेत सिंहासन के न्याय और मसीह के न्याय आसन में क्या फर्क है, परमेश्वर इन में किस तरह का न्याय करेगा? जब कि परमेश्वर कहता है कि हम सेब इन में से किसी न किसी न्याय में आएँगे, आप इसमें से किस में जाना चाहेंगे, आप कैसे निश्चित हो सकते है कि आप सही न्याय में आए? आज मेरे मेहमान मेरे अच्छे दोस्त डॉ. अरविन लुथजर हैं, ये सीनियर पास्टर हैं, मुड़ी चर्च शिकागो, इलेनॉय में, मैं चाहता हूं कि जैसे ये महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देते हैं, आप गौर से सुनिए /

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, हमें ये बात तो हमेशा बतानी है कि लोग समझ ले कि दो महत्वपूर्ण न्याय हैं, हम मसीह यीशु के न्याय आसन पर जोर दे रहे हैं, ये विश्वासियों के लिए है और ये स्वर्ग में हमारा प्रतिफल निश्चित करेगा, लेकिन एक और न्याय है जिसे महान श्वेत सिंहासन का न्याय कहते हैं, और सारे युग के अविश्वासी परमेश्वर के सामने खड़े होंगे और व्यक्तिगत रूप में उनका न्याय होगा/

प्रकाशितवाक्य की किताब के 20 वे अध्याय में जो घटना पाई जाती है उसे देखिए, फिर मैंने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और जो उस पर बैठा हुआ है, देखा, उसके सामने से पृथ्वी और आकाश भाग गए, और उनके लिए जगह न मिली, फिर मैंने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के सामने खड़े हुए देखा, और पुस्तकें खोली गई, और फिर एक और पुस्तक खोली गई अर्थात जीवन की पुस्तक, और जैसा उन पुस्तकों में लिखा हुआ था वैसे ही उनके कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया/ समुद्र ने उन मरे हुओं को जो उसमें थे दे दिया, और मृत्यु और अधलोक ने उन मरे हुओं को जो उनमे थे दे दिया, और इन में से हर एक के कामों के अनुसार उनका न्याय किया गया, मृत्यु और अधलोक आग की झील में डाले गए, यह आग की झील दूसरी मृत्य है/ और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया/

अब दोस्तों मैं चाहता हूं कि आप एक पल के लिए इस सिन की कल्पना करें, सबसे पहले मैं चाहता हूं कि आप यहाँ आए लोगों में क्या विविधता है उसे देखते जाए, मेरे हुए, छोटे और बड़े परमेश्वर के सामने खड़े होंगे, जो दीर्घायु जीए हैं और जो कम आयु जीए हैं, जो संसार के इस कोने में रहे हैं और जो संसार के दुसरे कोने में रहे हैं, एशिया, आफ्रिका, यूरोप या जहाँ भी हो, और फिर आप समय काल के फर्क को सोचिए, कुछ जो सदियों पहले जीए और कुछ जो शायद अभी जी रहे हैं, और इस समय जीवित है, ये सब परमेश्वर के सामने खड़े और उन सब में एक समान भविष्य है, याने यहाँ सेवक मिशनरी के साथ खड़े हैं, या कोई नन सेवक के साथ खड़ी होगी, याने धर्मी होगे, जिन्हें हम कईबार धर्मी कहते और अपराधी भी हैं, और ये सब परमेश्वर के सामने हैं, और किताबें खोली जाती और उनका न्याय होगा/

दो किताबें यहाँ बताई गई हैं, जिनका नाम जीवन की पुस्तक में नही होगा, उन्हें आग की झील में फेंका जाएगा, लेकिन एक और किताब हैं जो कामों की किताब है, और जो लिखा है उसके अनुसार उनका न्याय होगा, अब हम जानते हैं कि कोई भी कामों से उद्धार नही पाता है, इस न्याय का उद्देश्य ये तय करना नही कि कौन स्वर्ग में या नरक में जाएगा/ बाइबल में ऐसा कोई न्याय नही है, वो कहाँ पर होंगे इसका निर्णय पहले ही किया गया है, जो यहाँ जमा हुए हैं उनका न्याय होगा, और सबको आग की झील में फेंका जाएगा, काम उद्धार नही देते लेकिन काम न्याय के लिए बुनियाद है, यीशु व्यक्तिगत रूप में, और परमेश्वर व्यक्तिगत रूप में, लोगों को देखेगा और न्याय करेगा, इस आधार पर कि वो जो जानते थे उसके अनुसार क्या किया, यीशु ने कहा जो अपने प्रभू की इच्छा जानता था लेकिन उसे नही किया, उसे बहुत कोड़े मारे जाएगे, लेकिन जो प्रभू की इच्छा नही जानता था, उसे कुछ ही कोड़े मारे जाएगे/

इन सब लोगों में किस बात की कमी थी? क्या वो अच्छे लोग नही थे? नही, वो मनुष्य के हर स्थर के अनुसार अच्छे लोग थे, लेकिन मेरे दोस्तों वो इतने अच्छे नही थे, क्योंकि हमने जोर देकर कहा कि आपको स्वर्ग में जाने के लिए परमेश्वर जितना सिद्ध होना होगा/ और केवल मसीह हमें इतना सिद्ध बना सकता है, जब हम उसमे विश्वास करते हैं तो उसकी धार्मिकता हमें दी जाती है, याने जहाँ तक परमेश्वर की बात आती है, कोई फर्क नही, यीशु की धार्मिकता में, और उस धार्मिकता में जो मेरे लेखे में गिनी जाती है, इसलिए उसके आधार पर स्वर्ग में मेरा स्वागत होता है/

लेकिन जिन्होंने इस तरह से उस पर भरोसा नही रखा है, जो कहते हैं कि मैं यीशु पर भरोसा रखता हूं और अपने बप्तिस्मा पर भी और मेरे अच्छे कामों पर और मेरी विधियों पर भी, वो भी खो जाएगे, क्योंकि ये नही कि

आप मसीह में कितना विश्वास रखते हैं, ये आपके विश्वास की बात है, चाहे आपका विश्वास छोटा ही हो, तो केवल यीशु मसीह में ही हो/

याने जॉन महान श्वेत सिंहासन भविष्य की घटना है, सब लोगों का व्यक्तिगत न्याय होगा और समय के अंत में, उन्हें नरक में फेंका जाएगा और जानता हूं कि हम नही चाहते, लेकिन हमने ये नियम नही बनाए, और साथ ही मैं विश्वास करता हूं कि न्याय इतना सटीक होगा, कि सारे अनंतकाल में हम गाएंगे, तेरे मार्ग तो सच्चे और सही हैं, हे संतों के राजा/

लेकिन शुभ सन्देश ये है कि आप अपने पापों से फिर सकते हैं, मसीह के पास आ सकते हैं, उसकी धार्मिकता को ले कि आप मसीह के न्याय आसन के सामने हो/ कितना अद्भुत न्याय जो स्वर्ग में हमारे प्रतिफल को निश्चित करेगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब जब कि हम महान श्वेत सिंहासन के न्याय में बीच का फर्क समझ गए हैं, याने जो खोए हैं उनका न्याय होगा, याने मसीह के न्याय आसन के समय सब विश्वासियो का जीवन मसीह द्वारा मुल्यांकन किया जाएगा, शायद आप सवाल पूछे कि मसीह का न्याय आसन कब होगा? यही जवाब है, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, मैं सोचता हूं कि मसीह का न्याय आसन याने विश्वासियों के न्याय के बारे में, याने जिसे हम चर्च का रैपचर कहते हैं, याने हमें मसीह की उपस्थिति में ले जाया जाता है और फिर वो हमारा मुल्यांकन करता है, लोग कहते हैं कि वो हम सबका न्याय नही कर सकता है, क्योंकि यदि वो ऐसे करें तो इसके लिए कई साल और साल लग जाएगे/ मैं नही जानता कि मेरे पास इसके लिए सही जवाब है, बस यही कि नंबर एक, याद रखिए कि हम परमेश्वर के बारे में कह रहे हैं, उसे किसी अटर्नी को बुलाने की जरूरत नही है, आपके दोस्तों को आपके बारे में अच्छा कहने के लिए आने की जरूरत नही है, क्योंकि वो सब जो आपके पास है वो वास्तविकता है, जो सही समय पर हमें दिया जाएगा/

तो हम निश्चित नही जानते हैं कि न्याय के लिए कितना समय लगेगा, लेकिन हम जानते हैं, मेमने के विवाह का भोज तो चर्च के रैपचर के बाद होगा, उस समय तक सारे विश्वासियों का न्याय हो जाएगा और हम जानेगे, कि मसीह ने क्या सोचा था, जिस तरह से हम यहाँ पर रहते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब ये तो मसीह के न्याय आसन के समय होगा, बाइबल क्या कहती है कि महान श्वेत सिंहासन कब होगा? सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: और कब महान श्वेत सिंहासन होगा, ये क्लेश्काल के बाद होगा और मेलेनियम के राज्य के बाद होगा, याने अनंतकाल सही तरह से शुर होने से पहले होगा, हम यही कह सकते कि उसी समय श्वेत सिंहासन का न्याय होगा, और उसके परिणाम में अनंतकाल शुरू होगा, कुछ भी हो अंत में केवल दो तरह के लोग हैं, उद्धार पाए और खोए हुए, और स्वर्ग और नरक है, पुरे अनंतकाल के लिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: तो केवल एक सवाल है जो सब लोग मसीह के न्याय आसन के बारे में पूछते हैं, और वो ये है, कि क्या आप सोचते हैं कि मसीह का न्याय आसन सब लोगों के सामने होगा? क्या ये गुप्त में नही होगा? क्या मसीह आपका न्याय आपके परिवार के देखते हुए करेगा, आपके दोस्त और चर्च के सदस्य के सामने या आपके सहकर्मियों के सामने, जवाब तो यही है, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं जॉन, ये सवाल अक्सर पूछा जाता है, क्या यीशु का न्याय आसन सबके सामने होगा? या के किसी कोने पर व्यक्तिगत होगा? हम निश्चित नही हैं, लेकिन बाइबल बताती है कि शायद ये सबके सामने हो/ याद रखिए वो दृष्टांत जो मत्ती में हैं, इसी तरह से लूका में ये दृष्टांत में है, विश्वासयोग्य व्यक्ति प्रतिफल पाता है और जो विश्वासयोग्य नही उसे फटकारा जाता है, सब के सामने यहाँ ये कहता है, अब यदि न्याय सबके सामने है तो ये डरानेवाला है याने कल्पना कीजिए कि मेरा जीवन मेरे दोस्तों के सामने खुला है कि देखे और कौन इसे सह पाएगा, खैर कुछ बातें हैं/

सबसे पहले ,याद रखिए कि ये मसीह का न्याय आसन है, हमारे पाप नैतिक रूप में दूर किए गए हैं, याने हमारे पाप हमारे सामने रखे जाएगे यदि हम उसे क्षमा किए गए देखते हैं, ये नंबर एक है/

और नंबर दो, मैं आपको ये बताना चाहता हूं क्योंकि इस पर गहराई से भरोसा करता हूं, अंत में इससे कोई फर्क नही पड़ेगा, क्योंकि मैं चाहता आप सोचिए कि केवल यही बात मायने रखेगी, जानते हैं हम इस जीवन में चिंता करते हैं कि दुसरे क्या सोचते हैं, की लोग क्या सोचेंगे, लोग कहते हैं मैं नही चाहता कि मेरे दोस्त जाने, मेरे दिल के पापों को, लेकिन परमेश्वर इन्हें जानता है और ये बड़ी बात नही है/

मैं चाहता हूं कि आप जाने, जब आप यीशु के सामने खड़े होंगे, हमारी पुनुत की देह के साथ, तो बड़ी बात होंगी कि मसीह क्या सोचता है और दुसरे क्या सोचेगे ये उस परिस्थिति में जरूरी नही होगा, इसलिए मैं सोचता हूं कि एक बात और एक ही बात पर गौर करना चाहिए/ यीशु क्या सोचता है? क्योंकि इस जीवन में गलत समझा जाता है, गलत अर्थ लगाते, सबको खुश नही कर सकते, सवाल ये है, क्या हम उसे प्रसन्न कर रहे हैं?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब जब यीशु मसीह हमें उद्धार देता है, वो हमारे सारे पापों को क्षमा करता है, ठीक है? तो न्याय आसन पर हमारे जीवन का मुल्यांकन करता है, तो कैसे हमारे क्षमा किए हुए पाप मसीह के हमारे जीवन के मुल्यांकन पर असर डालेंगे, क्या ये पाप उभरकर आएगे? क्या परमेश्वर नही कहा कि वो हमारे पापों को फिर स्मरण नही करेगा, डॉ. अरविन लुथजर इस महत्वपूर्ण सवाल के बारे में बताते हैं, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, जॉन, मैंने इस सवाल के बारे में सोचा क्योंकि बाइबल कहती है की परमेश्वर हमारे पापों को याद नही करता, लेकिन अवश्य ही वचन का ये अर्थ नही कि परमेश्वर के पास हमारे भूतकाल का ज्ञान नही, क्योंकि तब परमेश्वर सब कुछ नही जानेगा, इसका अर्थ है कि वो उसको नही मानता, वो हमारे विरुद्ध में उसे नही रखता, हम उन पापों के लिए उस गंभीर न्याय में नही आएँगे/

लेकिन ये कहते हुए ये सच है कि मसीह के न्याय आसन के सामने हमारे जीवन का मुल्यांकन होगा, चाहे हम इसका जो भी अर्थ लगाए, प्रेरित पौलुस ये महसूस करता है कि को भेद नही, कि विश्वास करे की हमें क्षमा किया गया है, और परमेश्वर की दृष्टी में हम उसकी दण्ड आज्ञा में नही आते हैं क्योंकि यीशु ने उसे हमारे लिए ले लिया है, उसमे कोई मतभेद नही है, ये बात देखना है की हमारा जीवन देखा जाएगा और न्याय होगा और भले और बुरी बातों का न्याय होगा/

और जैसे पिछले प्रोग्राम में कहा था, संभव है कि परमेश्वर हमारे जीवन को ले और उसका मुल्यांकन सोना, चांदी, कीमती रत्न, या लकड़ी, घास और सरकण्डे की तरह रखे और उसे जलाए और फिर हम सच में देख पाएगे, कि हम कैसे जीए और कोई खास पाप न देखे, जैसे मैंने कहा की जब ऐसे होगा तो वो हमारे सामने ऐसे होगे जैसे कि मसीह के लहू में छिपे हो/

लेकिन किसी न किसी तरह से, मुल्यांकन तो होगा ही, और आज मेरे दोस्तों, जैसे आप समझते हैं, ये पर्यायी नही है, ये ऐसा नही जिससे आप बाहर आ सकते हैं, आप किसी अटर्नी को नही बुला सकते और इससे बाहर नही आ सकते हैं, क्योंकि पौलुस कहता है हम सब मसीह के सामने विश्वासी के रूप में खड़े होंगे/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब चलिए आपके धन के उपयोग के बारे में कहते हैं जैसे बाइबल कहती है कि इसके लिए एक दिन आपको मसीह से प्रतिफल मिलेगा/ मैंने डॉ. लुथजर से पूछा कि इतने वचन क्यों है जो धन के सही उपयोग के बारे में सिखाते हैं? ये इतना महत्वपूर्ण क्यों है, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, मैं सोचता हूं कि यीशु पैसा का उपयोग उदाहरण के लिए करता है, क्योंकि मैं सोचता हूं कि ये बुनियाद है, इस पर हमें प्रतिफल मिलेगा, क्योंकि वो जानता है कि हमारा दिल स्वभाविक रूप में लालची है, और सुरक्षा चाहता है, हम कल के लिए प्रभू पर विश्वास करना नही चाहते हैं, याने यीशु ने कहता है, लूका अध्याय 16 में, वो अदभुत वाक्य कहता है, वो धन के बारे में कहता है, फरीसी उस पर दोष लगाते थे, वो उसकी बातों से नफरत करते थे, उसने कहा कि जो वस्तु मनुष्य की दृष्टी में महान है, अब मनुष्य में सबसे ज्यादा महान क्या है? इसका जवाब तो धन है, मतलब लोग इसे चुराते हैं, इसके लिए झूठ बोलते, इसके लिए भरमाते हैं, और यीशु ने कहा वो परमेश्वर के निकट घृणित है, घृणित है/

इसी सन्दर्भ में, वो धन के उपयोग के बारे में उदाहरण देता है, वो एक भण्डारी का दृष्टांत बताता है जो सच में अपने प्रभाव का उपयोग करता है कि कुछ दोस्तों को खरीदे, जो नौकरी जाने के बाद उसकी मदत करें, ये कहानी जानते हैं, यीशु इस व्यक्ति के चरित्र के बारे में नही कहता, वो कहता है की वो चतुर है, ये लूका 16 में है/

फिर यीशु ये कहता है और मैं चाहता हूं कि आप मेरे साथ ये सोचे क्योंकि ये महत्वपूर्ण हैं, यीशु ने कहा, यदि तुम दूसरों की चीजों में विश्वासयोग्य न रहे, तो कौन तुम्हें सच्चा धन देगा, यदि जो परमेश्वर ने तुम्हें दिया उस में विश्वासयोग्य न रहे, तो तुम्हें कैसे और ज्यादा दिया जाएगा, फिर वो धन को अधर्मी मामोन कहता है/

हम कहना चाहते हैं कि ये सामान्य है, इसका कैसे उपयोग करते हैं इस पर आधारित है, कुछ हद तक ये सही है, लेकिन नही चाहता कि हम इस तरह सही ठहराते जाए, वो इसे अधर्मी मामोन कहता है, क्योंकि जरा सोचिए कि इसे पाने के लिए लोगों ने क्या किया है/ जानते हैं हैडन रोबिनसन, मैं बताऊंगा कि उन्होंने एक बार क्या कहा था, जानते हैं बाइबल कहती है कि धन का लोभ सारी बुराई की जड़ है, हम इस सही ठहराना चाहते हैं, ठीक है, मैं पैसों से प्यार नही करता, ऐसा कहते हुए हम इसे जमा करते और खुद के लिए रखते हैं/

और डॉ. रोबिनसन ने कहा हम बहाना बनाते हैं, हम कहते हैं इससे प्यार नही करता, लेकिन उसे डेट करते, गले लगते हैं, हम सराहना करते लेकिन सच में उससे प्यार नही करते हैं, परमेश्वर इस तरह की झूठी बातों से दूर है, क्योंकि वो जानता है कि हम स्वभाव ही से पैसे से प्यार करते हैं, और पैसों का प्यार खत्म होना चाहिए/

जानते हैं, मुझे यूरोप की वो कहानी पसंद है कि एक राजकुमारी की शादी होती है, उसका पति बहुत धनी था और उसने उसे कुछ गहने दिए, उनकी शादी होने के बाद, और उसने कहा, मुझे लगता है कि मैं वो गहने बेचकर एक अनाथ आश्रम शुरू करूं, उसने कहा नही, मैंने ये और वो खरीदा है क्या तुम्हें पसन्द नही? हम ये सब जानते हैं, जो शादीशुदा हैं, खैर अंत में उसने उसे सहमत किया, और उसने कहा ठीक है तुम गहने बेच सकती हो, तो उसने गहने बेचे और उन पैसों का उपयोग अनाथ आश्रम बनाने के लिए किया, और वहां बच्चे गीत गा रहे थे और वचन याद कर रहे थे, और वो एक दिन घर में आकर अपने पति से कहती है, मुझे मेरे गहने मिल गए, मेरे गहने मिल गए, मुझे वो इन छोटे बच्चों की आँखों में मिल गए/

जॉन, वो बुद्धिमान स्त्री थी, मैं जीवन भर कहते आया की हम साथ कुछ नही ले जा सकते हैं, हाँ, ले जा सकते, हमें यही तो करना है कि ऐसा ब्रीज बनाए जो पृथ्वी और स्वर्ग के बीच की दुरी को खत्म कर दे, और ये है कि जिन्हें सुसमाचार सुनना है उनके जीवन में पैसों का निवेश करें, कि अपने पैसे उन मिशनरी को दे, जैसे यीशु इस दृष्टांत में कहता है, कि तुम्हारे मित्र अनंतकाल के निवास में तुम्हारा स्वागत करेंगे, धन में इस तरह की सामर्थ है/ और यदि हम इसे नही देते हैं तो हम बहुत बहुत स्वार्थी होंगे, तो यीशु कहता है कि इसमें ईमानदार हो और मैं तुम्हें प्रभू राज्य में बड़ी जिम्मेदारी दूंगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब शायद जिन लोगों के पास ज्यादा धन नही, आप सोच रहे होंगे, मैं जानते हूं कि हम परमेश्वर को कितना पैसा देते हैं ये महत्वपूर्ण है, तो मेरे पास देने के लिए इतना कम है, तो ये प्रभू के लिए मायने नही रखता, खैर ये कितना धन हैं ये नही, लेकिन दिन की मनोदशा से कितना भी धन दे, ये मायने रखता है/ डॉ. लुथजर बताते हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: अवश्य ही कोई सुन रहा होगा और कहता है कितना धन देते मायने रखता है, नही लेकिन किस दिल से देते हैं, यदि आपके पास ज्यादा नही लेकिन उदारता से देते हैं, दो दमड़ी देनेवालीउस विधवा को देखिए/ किसी ने अनुमान लगाया कि ये विधवा जिसने दो दमड़ी दी थी, यदि उस पैसे को लेकर 5

प्रतिशत व्याज पर 2000 साल के लिए देते, तो मैं सोचता हूं इतना होगा याने 19 के आगे 45 शून्य लगाए, अब ये हमें ये सच्चाई याद दिलाता है कि हम जो देते हैं परमेश्वर उसे लेता है, मैं सोचता हूं कि हम इसे स्वर्ग के बैंक में रखते हैं, ये म्यूच्यूअल फंड जैसे है और इसका लाभ बढ़ता है, धन से जितना अच्छा करेगे उसके ऐसे लाभ होंगे/

और अंत में हमें बड़ा प्रतिफल मिलेगा क्योंकि हम जिसे प्यार करते थे उसे देते हैं, और इसके कारण प्रभू ध्यान देता है, जो दे सकते हैं वो दे, उदारता से दे, और यीशु ने कहा अनंतकाल में तुम्हारा स्वागत होगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब अंत में एक मुख्य बात, आज विश्वासियों के बीच बहुतसी बातें हैं, कि हमने यीशु मसीह पर विश्वास किया है और हम राजा की सन्तान हैं, तो हमें राजा के बच्चों के जैसे रहना चाहिए, याने हमें तन्दुरुस्त, धनी और बुद्धिमान होना है इस संसार में, क्या ये बाइबल के अनुसार सही है, या गलत है? सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, कईबार कहा जाता है कि हमें राजा के बेटे जैसे जीना चाहिए, हम तो परमेश्वर के हैं और परमेश्वर हमारा पिता है, क्या हम तन्दुरुस्त, धनी और संसार में बुद्धिमान नही हो सकते, क्या हम जितना हो सके जमा नही कर सकते हैं, मैं बताना चाहता हूं कि राजा का बेटा होना अद्भुत है, बाइबल स्पष्ट कहती है कि हमें परमेश्वर के पुत्र के जैसे जीना चाहिए, जब वो इस पृथ्वी पर आया था, हमारा राजा होना भविष्य की बात है, और यीशु ने कहा जो खुद को नम्र करता है वो उठाया जाएगा, और अवश्य ही हम सब जानते हैं कि यीशु चरनी में जन्मा, वो बेथलहेम में पैदा हुआ, उद्धारक होने के लिए गरीबी में पैदा हुआ/

मैं जानता हूं कि इसका ये अर्थ नही कि हम कंगाल हो जाए, लेकिन अवश्य ही, ये हमें सिखाता है कि जरूरी नही कि हर विश्वासी के पास इस संसार की चीजें हो, हम लोगों का न्याय नही कर सकते कि तुम गरीब हो इसलिए राजा के बेटे नही हो, जिस में पुरे संसार के हमारे करोडों भाई और बहन हैं, हमें ये जानना है कि हम जो आर्थिक आशीष पाए हैं, तो अब ये हमारी जिम्मेदारी हैं, कि उदार हो, हमारी जिम्मेदारी है कि खुद को नम्र करें, कि परमेश्वर किसी दिन अपने अच्छे समय में, अपनी इच्छा के अनुसार ऊँचा उठाए/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यद्द ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्धद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्र्द्धत्ढ़ण्द्य 2016 ऋच्र्ड्ढक्ष्